Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need for all-round development of Rajgir, Nalanda and Bodh Gaya in Bihar.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): बुद्ध की स्थली बोध गया और राजगीर में विश्व के कोने-कोने से लोग भगवान बुद्ध के दर्शन करने आते हैं। ये दोनों तीर्थ स्थल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल है। ज्ञान की नगरी नालंदा में लगभग 800 वर्ष पुराना विश्वविद्यालय है। इस ज्ञान की भूमि नालंदा की हमारे नेता श्री नीतीश कुमार जी के अथक प्रयास से आज विश्व के मानचित्र पर अपनी पहचान स्थापित हुई है। नालंदा में ही पावापुरी एवं कुण्डलपुर भगवान महावीर जी की जन्मस्थली है। इन दोनों तीर्थस्थलों पर हजारों जैने धर्म के अनुयायी एवं अन्य तीर्थ यात्री दर्शन करने आते हैं। राजगीर के बेनुवन विहार में भगवान बुद्ध ने अपने शिष्यों के साथ कई चतुर्मास किए थे। यह स्थान बौद्ध धर्मावलम्बियों के लिए धर्म शक्ति-पीठ की भाँति है। बौद्ध ग्रन्थ विनय पिटक के अनुसार बेनूवन स्थान बौद्ध संघ के लिए परम पवित्र स्थल है जो कि भगवान बुद्ध के बताए मार्गों की झलक प्रस्तुत करती है। यह स्थल बौद्ध अनुयायियों के लिए तप व साधना का केंद्र बन चुका है। आज इस महापवित्र स्थल की सुरक्षा, संरक्षण एवं इसे और अधिक विकसित कर पुराने वैभव को लौटाने की आवश्यकता है। राजगीर में ही रत्नागिरी पर्वत पर अवस्थित भगवान बुद्ध की प्रिय तपस्थली गृधकुट है, जहाँ सूर्योदय के समय ध्यान और तप की मुद्रा में भगवान बुद्ध विराजमान रहते थे। गृधकुट पर्वत को ही गौरव प्राप्त है कि ज्ञान प्राप्ति के पूर्व एवं ज्ञान प्राप्ति के उपरान्त भगवान बुद्ध का आगमन हुआ था। इस स्थल पर बौद्ध अनुयायियों को पूजा करते वक्त भगवान बुद्ध की अनुभूति महसूस होती है। गृधकुट से तीर्थ यात्री राजगीर की नैसर्गिक छठा एवं हरियाली से सुसज्जित वादियों का अवलोकन कर भाव विभोर हो जाते हैं। राजगीर में ही पंच पहाड़ी से घिरे अत्यन्त ही रमणीय घोड़ा-कटोरा झील की छठा को देखने के लिए बड़ी तादाद में पर्यटक आते हैं। किन्तु आज राजगीर, नांलदा, बोधगया विकास की दृष्टि से उपेक्षित है। इन स्थलों का समुचित विकास नहीं हुआ है। यहाँ इतने पर्यटक आते हैं कि रेलगाड़ियाँ भी कम पड़ जाती है। सड़क मार्ग सुगम नहीं होने के कारण यात्रियों को काफी कठिनाई होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान जाने में ही 4 से 6 घंटे लग जाते हैं।

मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूँ कि राजगीर, नालंदा और बोध गया का समुचित विकास करे। सड़क मार्ग को सुगम बनाए, जिससे कि पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को इन तीर्थस्थलों पर पहुँचने में सुविधा हो। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा नालंदा में अंतर्राष्ट्रीय लाईब्रेरी, हवाई अड्डा और पाँच सितारा होटल की व्यवस्था की जाए।